(228)

उत्तरांचल शासन
आपदा प्रबंधन एवं पुनर्वास विभाग,
संख्याः 451. /XVIII-(2)/2006
देहरादून, दिनांकः 03 जून, 2006

अधोहस्ताक्षरी को यह कहने का निदेश हुआ है कि उत्तरांचल में ग्लेशियरों के तेजी से सिकुड़ने तथा ग्लेशियरों के पिघलने से नदियों के बहाव में कमी आने के संबन्ध में समाचार पत्रों में प्रकाशित समाचार के प्रकाश में विशेषज्ञों की एक समिति निम्नवत् गठित की जाती है, जो समस्या के समस्त बिन्दुओं के अध्ययन कर स्थिति के निराकरण संबन्धी अपनी संस्तुति शासन को तीन माह में प्रस्तुत करेगी।

1-- डा0 बी0आर0 अरोड़ा, निदेशक, वाडिया इन्स्टीट्यूट ऑफ हिमालयन जियॉलाजी – अध्यक्ष
2– निदेशक, जी0एस0आई0 अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
3– निदेशक, जी0बी0पन्त हिमालयन पर्यावरण एवं विकास संस्थान कोसी कटारमल, अल्मोड़ा अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
4– निदेशक, आई0आई0टी0, रूड़की अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
5– निदेशक, वन अनुसंधान संस्थान, देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
6– निदेशक, विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद, उत्तरांचल अथव उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
7– निदेशक, नेशनल इन्स्टीट्यूट ऑफ हाइड्रालोजी, रूड़की अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
8– निदेशक, आई0सी0आई0मोड, काठमाण्डू, अथवा उनके विशेषज्ञ प्रतिनिधि – सदस्य
9– निदेशक, भारतीय सुदूर संवेदन सस्थान (रिमोट सेन्सिंग), देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
10– पुलिस महानिरीक्षक, भारत तिब्बत सीमा पुलिस द्वारा नामित प्रतिनिधि जो कमाडेन्ट से निम्न नहीं – सदस्य
12– निदेशक, मृदा एवं जल संरक्षण संस्थान देहरादून अथवा उनके द्वारा नामित प्रतिनिधि – सदस्य
11-- प्रधानाचार्य, गढ़वाल पर्वतारोहण संस्थान, उत्तरकाशी – सदस्य
12– डा0 पीयूष रौतेला, वरिष्ठ कार्यकारी, डी0एम0एम0सी0 – सदस्य सचिव

समिति अध्ययन के विभिन्न बिन्दुओं को स्वयं चिन्हित करेगी तथा बैठक एवं फील्ड भ्रमण करके अपनी आख्या तैयार करेगी। समिति का मुख्यालय देहरादून में होगा।

(नृप सिंह नपलच्याल)
प्रमुख सचिव

Uttranchal Mono- P -folder